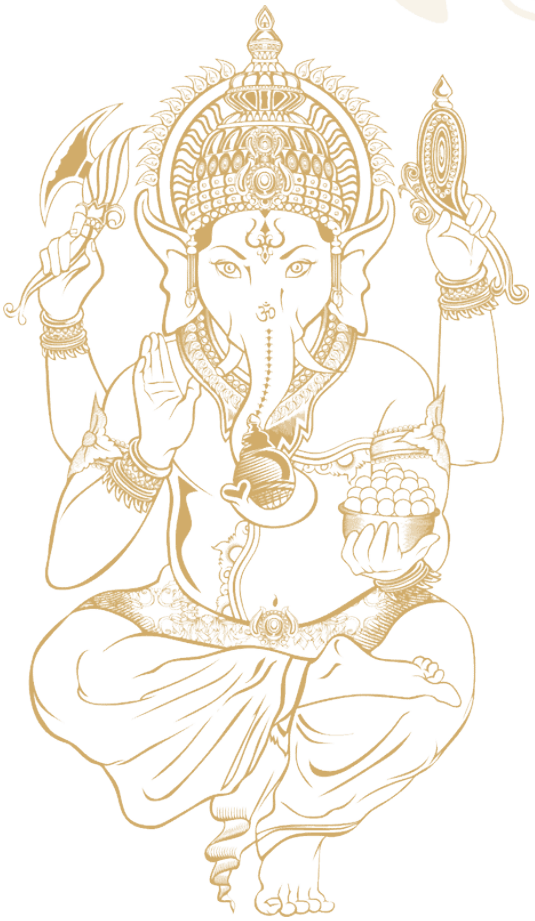

Divya Singh

16 Apr 2026

08:38 AM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121956502

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**16/04/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**08:38:00 घंटे**
इष्ट	07:44:21 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:41:32 घंटे
वेलान्तर	00:00:09 घंटे
साम्पातिक काल	22:18:40 घंटे
सूर्योदय	05:32:15 घंटे
सूर्यास्त	18:20:49 घंटे
दिनमान	12:48:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	01:55:20 मेष
लग्न के अंश	23:46:35 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	ऐन्द्र
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ञ--
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	23:46:35	351:17:18	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	---
सूर्य			मेष	01:55:20	00:58:45	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			मीन	13:28:52	14:15:36	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
मंगल		अ	मीन	10:40:55	00:46:33	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	मित्र राशि
बुध			मीन	07:10:58	01:26:12	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	नीच राशि
गुरु			मिथु	22:51:23	00:06:21	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	25:58:28	01:13:19	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	सम राशि
शनि		अ	मीन	13:10:51	00:07:14	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	13:50:11	00:04:09	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	13:50:11	00:04:09	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	05:15:05	00:03:03	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप			मीन	08:31:57	00:02:08	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			मक	11:11:09	00:00:34	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
दशम भाव			कुंभ	08:28:54	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:33

लग्न-चलित

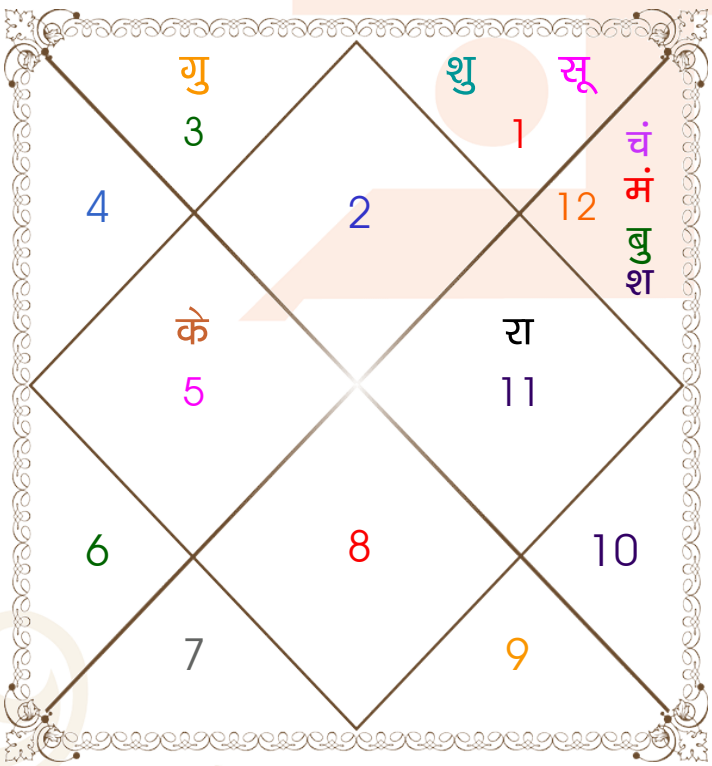

चन्द्र कुंडली

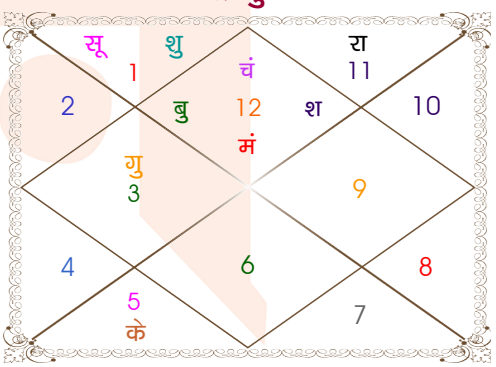

नवमांश कुंडली

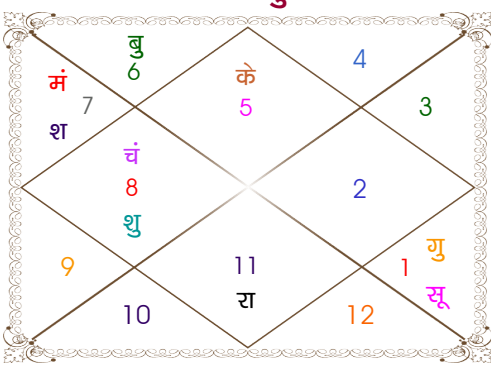

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 4 वर्ष 6 मास 14 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
16/04/2026		30/10/2030		30/10/2047		30/10/2054		30/10/2074	
30/10/2030		30/10/2047		30/10/2054		30/10/2074		29/10/2080	
	00/00/0000	बुध	28/03/2033	केतु	27/03/2048	शुक्र	28/02/2058	सूर्य	17/02/2075
	00/00/0000	केतु	25/03/2034	शुक्र	27/05/2049	सूर्य	01/03/2059	चंद्र	18/08/2075
	00/00/0000	शुक्र	23/01/2037	सूर्य	02/10/2049	चंद्र	29/10/2060	मंगल	24/12/2075
	00/00/0000	सूर्य	29/11/2037	चंद्र	03/05/2050	मंगल	30/12/2061	राहु	17/11/2076
	00/00/0000	चंद्र	01/05/2039	मंगल	30/09/2050	राहु	29/12/2064	गुरु	05/09/2077
	00/00/0000	मंगल	27/04/2040	राहु	18/10/2051	गुरु	30/08/2067	शनि	18/08/2078
	16/04/2026	राहु	14/11/2042	गुरु	23/09/2052	शनि	30/10/2070	बुध	24/06/2079
राहु	18/04/2028	गुरु	19/02/2045	शनि	02/11/2053	बुध	30/08/2073	केतु	30/10/2079
गुरु	30/10/2030	शनि	30/10/2047	बुध	30/10/2054	केतु	30/10/2074	शुक्र	29/10/2080

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
29/10/2080		30/10/2090		30/10/2097		31/10/2115		31/10/2131	
30/10/2090		30/10/2097		31/10/2115		31/10/2131		00/00/0000	
चंद्र	30/08/2081	मंगल	28/03/2091	राहु	13/07/2100	गुरु	18/12/2117	शनि	03/11/2134
मंगल	31/03/2082	राहु	15/04/2092	गुरु	06/12/2102	शनि	01/07/2120	बुध	13/07/2137
राहु	30/09/2083	गुरु	22/03/2093	शनि	12/10/2105	बुध	07/10/2122	केतु	22/08/2138
गुरु	29/01/2085	शनि	30/04/2094	बुध	01/05/2108	केतु	13/09/2123	शुक्र	22/10/2141
शनि	30/08/2086	बुध	28/04/2095	केतु	19/05/2109	शुक्र	14/05/2126	सूर्य	04/10/2142
बुध	30/01/2088	केतु	24/09/2095	शुक्र	19/05/2112	सूर्य	02/03/2127	चंद्र	04/05/2144
केतु	30/08/2088	शुक्र	23/11/2096	सूर्य	13/04/2113	चंद्र	01/07/2128	मंगल	13/06/2145
शुक्र	30/04/2090	सूर्य	31/03/2097	चंद्र	13/10/2114	मंगल	07/06/2129	राहु	17/04/2146
सूर्य	30/10/2090	चंद्र	30/10/2097	मंगल	31/10/2115	राहु	31/10/2131		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 4 वर्ष 5 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा। वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगी। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगी। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगी।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगी। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति की प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगी। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहती है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद की सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करते है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाती है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाती हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहती हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहती हैं। आपकी पति अच्छे है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहते हैं। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करती रहेंगी।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहती हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है।

आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगी।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है। किसी भी दशा में लाल रंग आपके लिए अनुकूल नही है। आपके लिए प्रमाणिक एवं लाभजनक रंग पीला, हरा एवं सफेद रंग ही उपयुक्त है।